RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
# गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 02
अंक : 004
दि. 04.05.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

# प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व के पहले ऑप्टोसार उपग्रह मिशन 'दृष्टि'के प्रक्षेपण पर प्रसन्नता व्यक्त की

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मिशन दृष्टि'को अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की प्रमुख उपलब्धि बताया**

**गैलेक्सी आई का 'मिशन दृष्टि' सफलतापूर्वक लॉन्च, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई**

(जीएनएस)।

बेंगलुरु स्थित एक निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप गैलेक्सी आई द्वारा विकसित उपग्रह मिशन दृष्टि रविवार को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट की मदद से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इसकी मदद से प्रतिकूल मौसम आपदा के असर, कृषि और सीमा निगरानी से जुड़ी तस्वीरें प्रभावी ढंग से मिल सकेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट के माध्यम से गैलेक्सी आई के संस्थापकों और पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'गैलेक्सी आई द्वारा शुरू किया गया मिशन दृष्टि अंतरिक्ष यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विश्व के पहले ऑप्टोसार उपग्रह और भारत में निर्मित सबसे बड़े निजी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारे युवाओं के जुनून का प्रमाण है। गैलेक्सी आई के संस्थापकों और पूरी टीम को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।'

रविवार को 190 किलोग्राम वजनी मिशन दृष्टि कैलिफोर्निया से लॉन्च किया गया। यह किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा निर्मित अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह है। इस विशेष उपग्रह की विशेषता यह है कि इसमें एक ही उपग्रह पर मल्टी स्पेक्ट्रल कैमरा और सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) इमेजर लगा हुआ है।

दृष्टि मिशन का मूल आधार ऑप्टोसार नामक एक नवीन हाइब्रिड प्रणाली है, जो एक ही प्लेटफॉर्म पर ऑप्टिकल इमेजिंग और सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) को संयोजित करने वाली तकनीक है। परंपरागत रूप से उपग्रह या तो ऑप्टिकल सेंसर या फिर रडार पर निर्भर करते हैं। ऑप्टिकल सिस्टम तस्वीरों के समान विस्तृत और कलर्ड फोटो कैप्चर करते हैं, लेकिन बादल छाए रहने और अंधेरे से ये जमीनी तस्वीर स्पष्ट नहीं मिलती। दूसरी ओर, रडार सिस्टम बादलों के पार देखने के लिए रेडियो तरंगों का उपयोग करते हैं और रात में भी काम करते हैं, हालांकि वे आमतौर पर कम स्पष्ट छवियां उत्पन्न करते हैं।

ऑप्टो सार एक ही उपग्रह में दोनों तकनीकों को एकीकृत करके इस अंतर को पाटता है। यह एक ही बार में ऑप्टिकल और रडार डाटा को एक

साथ कैप्चर करता है, फिर आउटपुट को एक एकीकृत छवि में मिला देता है। परिणामस्वरूप हर मौसम में बादलों के रहते हुए भी पृथ्वी की अत्यंत विस्तृत तस्वीरें मिल सकेंगी। यह भारत के सबसे उच्च-रिजॉल्यूशन वाले उपग्रहों में से एक है।

इस सफल प्रक्षेपण से भारत की अंतरिक्ष यात्रा में वैश्विक साझेदारियों की बढ़ती भूमिका उजागर होती है। स्पेसएक्स की प्रक्षेपण सेवाओं का लाभ उठाकर, भारतीय स्टार्टअप अत्याधुनिक पेलोड विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए कक्षा तक तेजी से और अधिक लचीली पहुंच प्राप्त कर रहे हैं।

मिशन दृष्टि भारत के अंतरिक्ष परिदृश्य में एक बदलाव का संकेत देता है, जो काफी हद तक सरकार के नेतृत्व से हटकर निजी नवाचार द्वारा संचालित अधिक गतिशील पारिस्थितिकी तंत्र की ओर अग्रसर है। जैसे-जैसे गैलेक्सी आई उपग्रह की डाटा क्षमताओं को चालू करने की तैयारी कर रहा है, यह मिशन पृथ्वी पर नजर रखने के तरीके को फिर से परिभाषित कर सकता है, जिससे समय या मौसम की परवाह किए बिना स्पष्ट और अधिक विश्वसनीय जानकारी मिल सकेगी।(

# जनआंदोलन के रूप में एक दिन में 35 करोड़ से अधिक पौधरोपण कर यूपी फिर बनाएगा रिकॉर्ड : मुख्यमंत्री

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंगा एक्सप्रेस-वे के दोनों किनारों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सतत जन-अभियान के रूप में विकसित किया जाए।**

(जीएनएस)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस वर्ष एक दिन में 35 करोड़ पौधरोपण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा है कि विगत वर्षों में जनभागीदारी से प्रदेश ने वृक्षारोपण में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं और अब इसे जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाएगा। रविवार को वृहद पौधरोपण अभियान-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने आ'ान किया कि 'एक पेड़ मां के नाम'अभियान के तहत प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में न्यूनतम 05 सहजन के पौधे लगाए जाएं, जबकि स्कूल-कॉलेजों में हर छात्र कम से कम एक पौधा लगाए।

मुख्यमंत्री ने गंगा एक्सप्रेस-वे के दोनों किनारों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण को केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सतत जन-अभियान के रूप में विकसित किया जाए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में पिछले वर्षों में वृक्षारोपण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2009 से 2016 के बीच जहां 51.48 करोड़ पौधे लगाए गए थे, वहीं वर्ष 2017 से 2025 के बीच यह संख्या बढ़कर 242.13 करोड़ हो गई। इसी अवधि में वन एवं वृक्ष आवरण में 3 लाख 38 हजार एकड़ की ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई है और हरित आवरण लगभग

9.96 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

कार्बन स्टॉक में वृद्धि के मामले में भी प्रदेश राष्ट्रीय औसत (1.13 प्रतिशत) से आगे है और 2.46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को हरित क्रांति की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2030 तक 15 प्रतिशत और 2047 तक 20 प्रतिशत हरित आवरण का लक्ष्य हर हाल में हासिल करना है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि वर्ष 2026 के अभियान को पूरी तरह वैज्ञानिक, योजनाबद्ध और परिणामोन्मुख बनाया जाए। उन्होंने माइक्रो प्लानिंग को अभियान की आधारशिला बताते हुए ग्रामीण और शहरी स्तर पर तैयार सभी माइक्रो प्लानों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा।

**पौधों की गुणवत्ता और उपलब्धता पर जोर**

मुख्यमंत्री ने पौधों की गुणवत्ता और उपलब्धता पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि सभी विभागों को वन विभाग की नर्सरियों से निःशुल्क एवं उच्च गुणवत्ता वाले पौधे उपलब्ध कराए जाएं। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 1935 विभागीय नर्सरियां संचालित हैं और 50 करोड़ से अधिक पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, जिसके लिए 34 नई नर्सरियों की स्थापना भी की गई है। उद्यान, रेशम और निजी क्षेत्र की नर्सरियों को भी इस अभियान से जोड़ा गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वृक्षारोपण के साथ-साथ पौधों की सुरक्षा और उनकी जीवितता सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आधुनिक तकनीक के माध्यम से सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि 'हरीतिमा'ऐप, जीआईएस मैपिंग, क्यूआर कोड आधारित ट्रैकिंग तथा प्लांटेशन मॉनीटरिंग सिस्टम (पीएमएस) और नर्सरी मैनेजमेंट सिस्टम (एमएमएस) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से वृक्षारोपण की निगरानी की जा रही है। वर्ष 2025 के विशेष सर्वेक्षण में वन विभाग द्वारा लगाए गए पौधों की जीवितता 80 प्रतिशत दर्ज की गई।

मुख्यमंत्री ने शहीदों, स्वाधीनता संग्राम सेनानियों व अन्य हुतात्माओं के नाम पर वन/वाटिका के स्थापित करने पर बल दिया, नदियों के किनारे, हाइवे आदि के किनारे भी पौधे लगाए जाएं। मुख्यमंत्री ने इस वर्ष अयोध्या में रामायणकालीन पौधे लगाने पर जोर दिया।

**30 मई तक तैयार करें कार्ययोजना**

मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि 30 मई तक अपनी-अपनी विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर लें और निर्धारित समयबद्ध कार्यक्रम के अनुसार वृक्षारोपण सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, शैक्षणिक संस्थानों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

बैठक के दौरान वन एवं पर्यावरण विभाग की ओर से मुख्यमंत्री को 'शेखा झील पक्षी विहार, अलीगढ़'के रामसर साइट घोषित किए जाने का प्रमाण पत्र भी सौंपा गया। बता दें कि उत्तर प्रदेश में कुल 12 रामसर स्थल नामित किए जा चुके हैं, जो कुल 38,992.25 हेक्टेयर क्षेत्रफल आच्छादित करते हैं। शेखा झील पक्षी विहार रामसर स्थल 40.309 हेक्टेयर क्षेत्रफल के साथ प्रदेश का सबसे छोटा रामसर स्थल है। 2016 में इसे पक्षी विहार के रूप में अधिसूचित किया गया था।

# दिल्ली अग्निकांड पर पीएम मोदी और अमित शाह ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये के मुआवजे का एलान

(जीएनएस)।

नई दिल्ली। राजधानी के शाहदरा जिले के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के हुए भीषण अग्निकांड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने गहरा शोक जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर इस हादसे को बेहद दुखद बताया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि दिल्ली के शाहदरा में आग की घटना में लोगों की मौत अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष ढटठफ्रऋसे मुआवजे का भी ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

**गृहमंत्री ने भी जताया शोक**

इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अ३ रँ ने भी हादसे पर दुख जताया है। सोशल साइट एक्स पर पोस्ट साढा करते हुए उन्होंने कहा, "दिल्ली के विवेक विहार में हुई आगजनी की घटना अत्यंत पीड़ादायक है। इस हादसे में जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है, मेरी संवेदनाएँ उनके साथ हैं। ईश्वर शोक-संतप्त परिवारों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। स्थानीय प्रशासन घायलों को सर्वोच्च चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा रहा है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।"

**क्या है पूरा मामला?**

गौरतलब है कि, शाहदरा के विवेक विहार में स्थित एक चार मंजिला इमारत में रविवार सुबह करीब 4 बजे अचानक आग लग गई। शुरूआती जांच में सामने आया है कि तीसरी मंजिल पर एक कमरे में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बिल्डिंग में धुआं फैल गया। इस हादसे में 9 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर करीब 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

## चलते विमान का इमरजेंसी दरवाजा खोलकर यात्री ने क्यों लगाई छलांग? कौन है वो शख्स?

चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रविवार (3 मई 2026) तड़के एक ऐसी घटना घटी जिसने पूरे एयरपोर्ट को हिलाकर रख दिया। शारजाह से आई एयर अरेबिया की फ्लाइट टैक्सीवे पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रही

थी। लैंडिंग हो चुकी थी, विमान पार्किंग बे की ओर जा रहा था, लेकिन अचानक एक यात्री ने आपातकालीन निकास दरवाजा खोल दिया और सीधे नीचे कूद गया।

विमान में सवार 231 यात्रियों और क्रू मेंबर्स के बीच अफरा-तफरी मच गई।

# 'अंधेरे में स्ट्रॉन्ग रूम में घुस रही गाड़ियां,' ममता बनर्जी का भाजपा पर बिजली काटने जैसे गम्भीर आरोप लगाये

(जीएनएस)।

पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों से पहले सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। वोटों की गिनती से पहले ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर बेहद गंभीर आरोप लगाए हैं। ममता बनर्जी ने दावा किया है कि राज्य के विभिन्न हिस्सों में जानबूझकर बिजली काटी जा रही है ताकि स्ट्रॉन्ग रूम के आसपास संदिग्ध गतिविधियों को अंजाम दिया जा सके।

ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपने कार्यकर्ताओं को अलर्ट करते हुए कहा कि हुगली के श्रीरामपुर, नदिया के कृष्णानगर, बर्धमान के

औसग्राम और कोलकाता के खुदीराम अनुशीलन केंद्र जैसे इलाकों से बिजली कटौती (लोड शेडिंग) की खबरें आ रही हैं।

उनका आरोप है कि अंधेरे का फायदा उठाकर स्ट्रॉन्ग रूम के पास वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है और सीसीटीवी कैमरों को निष्क्रिय किया जा रहा है। ममता ने कार्यकर्ताओं से कहा, 'जिस तरह मैं रात भर जागकर नजर रख रही हूं, आप भी वैसे ही जागें और जनता के वोटों की रखवाली करें। कहीं भी संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत शिकायत दर्ज कराएं और घेराव करें।'

पश्चिम बंगाल में इस बार लोकतंत्र का उत्सव अपने चरम पर रहा। आजादी के बाद पहली बार राज्य में 92% से अधिक रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया है। राज्य की 293 सीटों पर दो चरणों (23 अप्रैल और 29 अप्रैल) में वोट डाले गए।

## 'मैं उन 6 महिला पहलवानों में से एक हूं, जिनका बृजभूषण ने यौन उत्पीड़न किया,' विनेश का भूचाल लाने वाला खुलासा

भारतीय कुश्ती जगत में एक बार फिर भूचाल आ गया है। स्टार

पहलवान, ओलंपियन और हरियाणा की जुलाना सीट से कांग्रेस एमएलए विनेश फोगाट ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि वह पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ (WFI) अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने वाली छह महिला पहलवानों में से एक हैं।

# इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का भूमिपूजन, किसानों को 60% विकसित जमीन लौटाएगी सरकार

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इंदौर-पीथमपुर आर्थिक गलियारे के पहले चरण का अनावरण किया, जो 2360 करोड़ रुपये की परियोजना है। इस योजना में इंदौर, उज्जैन, धार, देवास, शाजापुर और रतलाम को आठ-लेन वाले एक्सप्रेस मार्ग से जोड़ा जाएगा, जिससे एग्री-प्रोसेसिंग, ऑटो, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग और वेयरहाउसिंग को बढ़ावा मिलेगा, साथ ही विकसित भूखंडों का 60% किसानों को वापस दिया जाएगा।

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 2360 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के प्रथम चरण का भूमिपूजन किया। इंदौर के नैनोद गांव में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने इसे प्रदेश के विकास और किसानों के "भाग्योदय का शंखनाद"

बताया।

कार्यक्रम में किसानों ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए भूमि अधिग्रहण के लिए सहमति पत्र भी सौंपा। सरकार द्वारा जमीन का चार गुना मुआवजा देने के साथ-साथ 60 प्रतिशत विकसित भूखंड किसानों को लौटाने के फैसले को ऐतिहासिक बताया जा रहा है। इस योजना के तहत कई किसान करोड़ों रुपये मूल्य के प्लॉट के मालिक बन गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को विकास में भागीदार बना रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत किसानों को करीब 650 करोड़ रुपये मूल्य के प्लॉट प्राप्त हुए हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि किसी भी किसान की जमीन लेने पर सरकार का पहला दायित्व उसकी आजीविका की स्थायी व्यवस्था करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह इकोनॉमिक कॉरिडोर इंदौर, उज्जैन, धार, देवास, शाजापुर और रतलाम जैसे क्षेत्रों को जोड़ते हुए औद्योगिक विकास का नया केंद्र बनेगा।

# ईरान ने भेजा शांति का पैगाम, लेकिन ट्रंप ने क्यों कहा- 'अभी कीमत चुकानी बाकी है'

(जीएनएस)।

ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से जारी तनाव एक नए मोड़ पर आ गया है। ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से डोनाल्ड ट्रंप सरकार को 14 बिंदुओं वाला एक शांति प्रस्ताव भेजा है। हालांकि, ट्रंप ने इस पर ठंडी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि ईरान ने अपने किए की 'पर्याप्त कीमत' अभी नहीं चुकाई है।

इसके जवाब में ईरान ने सख्त लहजे में कहा है कि उन्होंने शांति की पहल कर दी है और अब गेंद अमेरिका के पाले में है। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह बातचीत और युद्ध, दोनों स्थितियों के लिए पूरी तरह तैयार है।

**ईरान की 14 सूत्रीय शर्तें**

ईरान के इस नए प्रस्ताव में मुख्य रूप से समुद्री प्रतिबंधों को हटाने और सुरक्षा गारंटियों पर जोर दिया गया है। ईरान चाहता है कि अमेरिका उसके

समुद्री इलाकों से अपनी सेना वापस बुलाए और होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकेबंदी खत्म करे। इसके अलावा, ईरान ने अपनी जब्त संपत्तियों को छोड़ने, युद्ध के नुकसान का मुआवजा देने और लेबनान समेत सभी मोर्चों पर संघर्ष विराम की मांग की है। ईरान का कहना है कि इन शर्तों के बाद ही परमाणु जैसे अन्य मुद्दों पर बात होगी।

**ट्रंप का कड़ा रुख और संदेह**

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया के जरिए इस प्रस्ताव पर अपनी नाखुशी जाहिर की है। उनका मानना है कि ईरान का यह प्रस्ताव अमेरिका के लिए स्वीकार्य नहीं है। ट्रंप ने स्पष्ट किया कि ईरान के वर्तमान शासन ने पिछले 47 वर्षों में जो किया है, उसका हिसाब अभी पूरा नहीं हुआ है। अमेरिका की मुख्य चिंता ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने की है। ट्रंप के इस रुख से साफ है कि वे फिलहाल किसी भी आसान समझौते के मूड में नहीं हैं।

**पाकिस्तान की मध्यस्थता और टकराव**

ईरान ने इस बार पाकिस्तान को संदेशवाहक के रूप में चुना है, ताकि अमेरिका के साथ कूटनीतिक बातचीत का रास्ता खुल सके।

## उड़ीसाः इस राज्य में दूध हुआ महंगा, प्रति लीटर 4 रुपये बढ़े दाम

ओडिशा के लाखों परिवारों के लिए आज से दूध और दुग्ध उत्पाद महंगे हो गए हैं। ओडिशा स्टेट कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर्स फेडरेशन ने पूरे राज्य में दूध की कीमतों में 4 रुपये प्रति लीटर

की बढ़ोतरी का ऐलान किया है। यह फैसला 3 मई 2026 से लागू हो गया है। नए दाम विभिन्न प्रकार के दूध पाउच पर लागू होंगे, जिसका सीधा असर रोजाना दूध पीने वाले घरों, चाय-कॉफी, दही, पनीर और मिठाइयों पर पड़ेगा।

OMFED का यह फैसला उन परिवारों के बजट को प्रभावित करेगा जो पैकेज्ड दूध पर निर्भर हैं।

# सम्पादकीय

## युद्ध चाहिए या शान्ति

मध्य एशिया सुलग रहा है और कभी भी युद्ध की आग भड़क सकती है। एक तरफ जहां अमेरिका ने 9 अरब के डिफेंस सिस्टम एवं मारक बारूदी हथियार और मिसाइल सहित अपने लड़ाकू जवानों की तैनाती की है वहीं ईरान ने आंख दिखाते हुए अमेरिका से रविवार को पूछा कि वह स्पष्ट रूप से बताए कि उसे युद्ध चाहिए या शान्ति। ईरान यह भी धमकी दे रहा है कि यदि अमेरिका उसके पुलों और ऊर्जा केंद्रों को तबाह करने की सोच रहा है या योजना बना रहा है तो वह अपने उन सैन्य ठिकानों को बचा नहीं पाएगा जो गल्फ देशों में मौजूद हैं। ईरान की यह धमकी अमेरिका द्वारा 9 अरब डालर के सैन्य संसाधन आपूर्ति के फैसले के तुरन्त बाद आई है।

असल में अमेरिका, इजरायल और ईरान तीनों को अभी भी युद्ध का लक्ष्य हासिल नहीं हुआ है। न तो ईरान पूरी तरह पस्त हुआ है और न तो उसकी यूरेनियम नष्ट हो पाई है। इसी तरह ईरान वर्षों से अरमान पाले बैठा था कि वह इजरायल को खत्म करके वहां हमास का झण्डा फहरा देगा तथा खाड़ी में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को पूरी तरह मिसाइलों से तबाह कर देगा। अमेरिका ने सोच रखा था कि वह ईरान के शीर्ष नेतृत्व को मार कर पूरे देश को अंधी गली बना देगा और ईरानी गृहयुद्ध में एकदूसरे को मारकर इस देश को नर्क बना देंगे। किन्तु यह भी नहीं हो पाया।

अब तीनों देश अपने-अपने अपूर्ण लक्ष्य को लेकर फिर एक बार युद्ध बड़ा करने की रणनीति में व्यस्त हैं।

सच तो यह है कि ईरान ने अमेरिका के खाड़ी देशों में स्थित सैन्य ठिकानों को ही निशाना नहीं बनाया, बल्कि उसने खाड़ी देशों के उस भरोसे को भी तोड़ दिया जो उनकी रक्षा के लिए हमेशा अमेरिका की तरफ से मिलता रहता था। पिछले 45 वर्ष से खाड़ी के देश इसी उम्मीद और विश्वास के साथ निश्चिंत थे कि अमेरिका उनकी रक्षा ईरान की मिसाइलों और ड्रोन से जरूर करेगा किन्तु अमेरिका उनकी रक्षा करने में असफल रहा है। इसी वजह से अमेरिकी राष्ट्रपति और पेण्टागन इतने भन्नाए हैं कि उन्होंने नौ अरब डालर के सैन्य संसाधन भेजने के पहले संसदीय समिति से अनुमति भी नहीं ली। ईरान को अमेरिका से इसीलिए पूछना पड़ा कि वह शान्ति चाहता है या युद्ध।

युद्ध में नुकसान तो सभी को होता है किन्तु विनाश किसी एक का होना तय है। यह युद्ध ईरान के अस्तित्व के विरुद्ध है जबकि अमेरिका अपनी दादागिरी को कायम रखने के लिए इस युद्ध में कूद गया। अमेरिका की यहूदी कम्युनिटी अब राष्ट्रपति ट्रंप को चुप बैठने भी नहीं देंगी। इसलिए भले ही अमेरिका ईरान को कोई जवाब न दे किन्तु लगता यही है कि जल्दी ही युद्ध एक बार फिर भड़क सकता है। इस बार इस युद्ध का क्षेत्र विस्तार होना भी तय है। 28 फरवरी से पहले होर्मुज समुद्री मार्ग पर किसी तरह की रुकावट नहीं थी किन्तु ईरान ने जिस तरह इस व्यापारिक मार्ग को युद्ध का क्षेत्र बनाया और अमेरिका ने नाकेबन्दी कर दी वह तेहरान के लिए घातक साबित हो सकता है। हैरानी होती है कि ईरान यह जानकर भी कि उसे रूस या चीन से रणनीतिक सहायता के अलावा कुछ भी मिलने वाला नहीं है।

चीन कभी भी टैक्टिकल सहायता देकर अमेरिका से दुश्मनी नहीं ले सकता जबकि रूस निन्दा से आगे बढ़ ही नहीं रहा है। इसके बावजूद इस्लामिक रिपब्लिकन गार्डस कार्प्स यदि आत्मदहन पर आमादा है तो उस देश पर युद्ध का संकट इतने जल्दी खत्म होने वाला नहीं है। ईरान में सरकार को वहां की इस्लामिक रिपब्लिकन सेना देती है। इसलिए भी कूटनीति से ज्यादा ईरान में युद्ध की भाषा ज्यादा बोली और समझी जा रही है।

# बालेन शाह का ट्रंप को बड़ा झटका, अमेरिकी दूत को मिलने से किया मना

(जीएनएस)।

दक्षिण एशिया की बदलती राजनीति में नेपाल ने हाल ही में अमेरिका को कड़ा कूटनीतिक संदेश दिया है। अमेरिकी विशेष दूत और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्गियो गोर इन दिनों क्षेत्रीय दौरे पर हैं, लेकिन मालदीव के बाद अब नेपाल में भी उन्हें मायूसी हाथ लगी।

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने अमेरिकी दूत से मिलने का वक्त देने से साफ इनकार कर दिया। यह घटना दर्शाती है कि अब छोटे देश भी महाशक्तियों के सामने अपनी शर्तों पर कूटनीति करना सीख गए हैं। बालेन शाह के इस फैसले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल मचा दी है।

**मुलाकात से इनकार: सीधा संदेश**

अमेरिकी दूत सर्गियो गोर ने काठमांडू पहुंचकर प्रधानमंत्री कार्यालय से मिलने का समय मांगा था। उम्मीद थी कि अमेरिका की अहमियत देखते हुए उन्हें तुरंत समय मिल जाएगा, लेकिन पीएम बालेन शाह के कार्यालय ने इस अनुरोध को ठुकरा दिया। सरकार का तर्क है कि प्रधानमंत्री फिलहाल बाहरी मुलाकातों के बजाय देश के आंतरिक प्रशासन और नीतिगत सुधारों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। यह कदम अमेरिका के लिए किसी झटके से कम नहीं है।

**: प्रोटोकॉल की नई लक्ष्मण रेखा**

विशेषज्ञों का मानना है कि बालेन शाह नेपाल की कूटनीति में एक नई परंपरा शुरू कर रहे हैं। इस नए प्रोटोकॉल के तहत प्रधानमंत्री अब केवल राष्ट्राध्यक्षों या समकक्ष स्तर के नेताओं (जैसे विदेश मंत्री) से ही आधिकारिक मुलाकात करेंगे। किसी राजदूत या विशेष दूत को सीधे प्रधानमंत्री का समय न मिलना यह बताता है कि नेपाल अब अपने पद और गरिमा को लेकर बेहद सख्त हो गया है और वह किसी भी दबाव में नहीं झुकना चाहता।

**गुटबाजी से दूरी का इरादा**

नेपाल की भौगोलिक स्थिति उसे भारत, चीन और अमेरिका जैसी शक्तियों के बीच खींचतान का केंद्र बनाती है। बालेन शाह का यह रुख साफ करता है कि नेपाल किसी भी वैश्विक गुटबाजी का हिस्सा नहीं बनना चाहता। अमेरिका जैसे शक्तिशाली देश के प्रतिनिधि को समय न देकर नेपाल ने यह संदेश दिया है कि उसकी प्राथमिकता अपनी संप्रभुता और स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता है। वह अपनी धरती पर किसी भी देश का हस्तक्षेप बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

ये भी पढ़ें: इं'ल्ल रैं ठीह ळ७ फ्४'ी: बालेन शाह के बॉर्डर टैक्स का मुंहतोड़ जवाब! नेपाल की चाय निर्यात पर 'सर्जिकल स्ट्राइक

**दक्षिण एशिया में अमेरिका की बढ़ती मुश्किल**

सिर्फ नेपाल ही नहीं, हाल के दिनों में मालदीव ने भी अमेरिकी दूतों के प्रति ऐसा ही रुख अपनाया है। दक्षिण एशियाई देशों का यह 'तेवर' अमेरिका के लिए चिंता का विषय है। भारत में स्थित अमेरिकी राजदूत के लिए यह दौरा काफी असहज साबित हुआ है। यह स्थिति दिखाती है कि अब दक्षिण एशिया की बिसात बदल रही है, जहां छोटे देश अपनी 'औकात' या हैसियत कम आंकने के बजाय बड़े देशों को बराबरी का आईना दिखा रहे हैं।

# 293 सीटों पर आएगा फैसला, लेकिन बंगाल की इस एक सीट पर क्यों नहीं चुना जाएगा विधायक?

..

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के नतीजों का इंतजार अब खत्म होने को है। 4 मई को जब सुबह 8 बजे ईवीएम (EVM) के पिटारे खुलेंगे, तो पूरे देश की नजरें इस बात पर होंगी कि क्या ममता बनर्जी की हैट्रिक बरकरार रहती है या भाजपा पहली बार कोलकाता के 'लाल बाजार' पर अपना परचम लहराती है। लेकिन, इस बार का चुनाव परिणाम थोड़ा अधूरा रहने वाला है।

पश्चिम बंगाल की कुल 294 विधानसभा सीटों में से कल केवल 293 सीटों के ही भाग्य का फैसला होगा। आखिर वो कौन सी बदनसीब सीट है जहां कल सन्नाटा पसरा रहेगा और वहां का विधायक कल क्यों नहीं चुना जाएगा? आइए समझते हैं पूरी कहानी।

फालता विधानसभा का क्यों नहीं आएगा रिजल्ट?

दक्षिण 24 परगना जिले की फालता विधानसभा सीट कल होने वाली मतगणना का हिस्सा नहीं होगी। चुनाव आयोग (ECI) ने एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए इस पूरी सीट पर हुए मतदान को रद्द कर दिया है। आयोग का मानना है कि 29 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान के दौरान यहां लोकतांत्रिक प्रक्रिया का गला घोंटा गया और बड़े पैमाने पर चुनावी अपराध किए गए।

आयोग ने शनिवार को निर्देश जारी किया कि फालता के सभी 285 पोलिंग बूथों पर अब 21 मई को नए सिरे से मतदान कराया जाएगा। सुरक्षा के ऐसे इंतजाम किए जा रहे हैं कि परिंदा भी पर न मार सके। यही कारण है कि जब कल पूरा बंगाल जश्न मना रहा होगा, फालता के उम्मीदवार और जनता अगले तीन हफ्तों के लिए 'वेटिंग लिस्ट' में रहेंगे। इस सीट का परिणाम अब 24 मई को घोषित किया जाएगा।

EVM पर टेप और बूथों पर हिंसा: आखिर क्या हुआ था उस दिन?

फालता में रिपोलिंग का फैसला हवा-हवाई नहीं है। चुनाव आयोग के ऑब्जर्वर्स ने जो रिपोर्ट सौंपी, वह चौंकाने वाली थी। मतदान वाले दिन भाजपा उम्मीदवार देवांशु पांडा ने आरोप लगाया कि बूथ नंबर 177 पर ईवीएम में भाजपा के चुनाव चिह्न (कमल) के सामने वाले बटन पर सफेद टेप चिपका दिया गया था, ताकि कोई उसे दबा न सके।

बात यहीं खत्म नहीं हुई। भाजपा के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर दावा किया कि बूथ नंबर 144 और 189 में भी यही 'टेप वाला खेल' खेला गया था। इसके अलावा, बेलसिंह इलाके में स्थिति इतनी बिगड़ी कि सुरक्षाबलों को लाठीचार्ज करना पड़ा। आरोप है कि वहां मतदाताओं को डराया-धमकाया जा रहा था। इस अफरा-तफरी में कई महिलाएं घायल हुईं और एक मासूम बच्चे के सिर में भी चोट आई। इन्हीं शिकायतों के आधार पर आयोग ने पूरी विधानसभा में दोबारा वोटिंग का कड़ा फैसला लिया।

**दिग्गजों की साख दांव पर: चुनावी मैदान के महारथी**

फालता सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प है। यहां तृणमूल कांग्रेस (TMC) की ओर से दिग्गज नेता जहांगीर खान मैदान में हैं। उन्हें टक्कर दे रहे हैं भाजपा के देवांशु पांडा। कांग्रेस ने यहां से अब्दुर रज्जाक मोल्ला को उतारा है, तो वहीं माकपा (CPI-M) की ओर से शंभू नाथ कुर्मी ताल ठोक रहे हैं। चुनाव रद्द होने से इन सभी उम्मीदवारों की धड़कनें बढ़ गई हैं, क्योंकि अब इन्हें दोबारा से जनता के बीच जाकर अपनी किस्मत आजमानी होगी।

**सियासी घमासान: अभिषेक बनर्जी बनाम भाजपा**

फालता में दोबारा चुनाव को लेकर राजनीति भी गरमा गई है। भाजपा के सुकांत मजूमदार ने इसे फालता की माताओं और बहनों की जीत बताया है। उनका कहना है कि स्थानीय टीएमसी नेता जहांगीर खान के आतंक के खिलाफ यह एक बड़ी जीत है। वहीं, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने इस पर पलटवार करते हुए इसे 'बंगाल विरोधी गुजराती गैंग' की साजिश बताया है।

अभिषेक बनर्जी ने '' (पूर्व में ट्विटर) पर सीधे चुनौती देते हुए कहा कि दिल्ली से किसी भी 'गॉडफादर' को भेज दें, लेकिन वे उनके 'डायमंड हार्बर मॉडल' को हिला नहीं पाएंगे। उन्होंने केंद्र सरकार को चुनौती दी कि अगर हिम्मत है तो फालता के मैदान में आकर चुनाव लड़ें। यह जुबानी जंग साफ करती है कि 21 मई को होने वाली रिपोलिंग किसी युद्ध से कम नहीं होगी।

**रिपोलिंग का पूरा गणित: सुरक्षा के साये में मतदान**

चुनाव आयोग ने साफ कर दिया है कि 21 मई को होने वाले चुनाव में कोई रिस्क नहीं लिया जाएगा।

सेंट्रल फोर्स की तैनाती: सभी बूथों पर भारी मात्रा में केंद्रीय बलों की मौजूदगी रहेगी।

माइक्रो-ऑब्जर्वर्स: हर छोटी-बड़ी गतिविधि पर नजर रखने के लिए विशेष अधिकारी तैनात होंगे।

वेबकास्टिंग और वीडियोग्राफी: धांधली रोकने के लिए पूरे मतदान की लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी।

कल 4 मई को जब 293 सीटों के नतीजे आएंगे, तो बंगाल की सत्ता की तस्वीर तो काफी हद तक साफ हो जाएगी, लेकिन फालता का वो '294वां विधायक' कौन होगा, इसके लिए हमें 24 मई तक का इंतजार करना पड़ेगा। लोकतंत्र की इस लड़ाई में फालता अब एक ऐसी मिसाल बन गया है, जहां आयोग ने साबित किया है कि अगर प्रक्रिया में गड़बड़ी हुई, तो परिणाम को रोकना ही एकमात्र विकल्प है।

# बंगाल में कितना चला सीएम योगी का जादू? 4 मई को साफ होगी तस्वीर, चर्चा में रहे 'बुलडोजर बाबा'

इस बार पूरे चुनाव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खूब डिमांड रही। सीएम योगी ने बंगाल चुनाव में ताबड़तोड़ रैलियां भी कीं. सभी योगी ने जिन सीटों पर चुनावी रैलियां कीं, उनपर भी नजर रहेगी.

पश्चिम बंगाल चुनाव के नतीजों पर सबकी निगाहें टिकीं हैं. कल यानी 4 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित हो जाएंगे. इस बार पूरे चुनाव में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खूब डिमांड रही. सीएम योगी ने बंगाल चुनाव में ताबड़तोड़ रैलियां भी कीं. सभी योगी ने जिन सीटों पर चुनावी रैलियां कीं, उनपर भी नजर रहेगी.

बता दें कि पश्चिम बंगाल चुनाव दो चरणों में संपन्न हुआ था. पहले चरण के लिए 23 अप्रैल और दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग हुई थी.

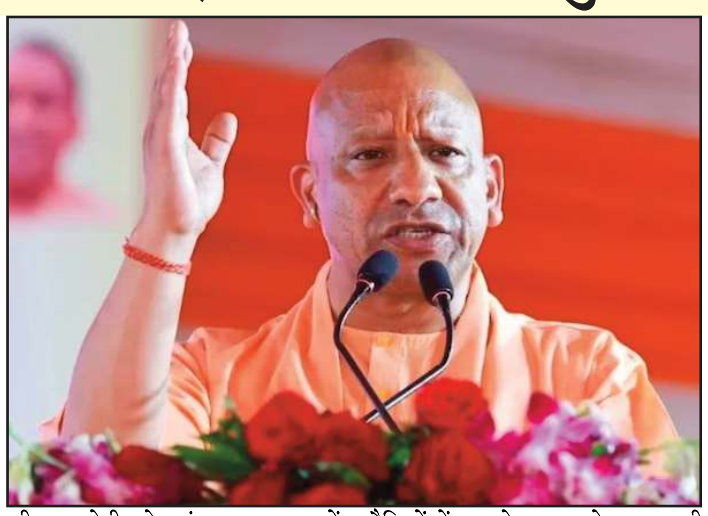

सीएम योगी ने बंगाल चुनाव में ताबड़तोड़ 20 से ज्यादा रैलियां कीं. इस दौरान उनके चुनाव नारे खूब वायरल भी हुए, यूपी की तरह माफिया को जहन्नुम भेजने का वादा करने वाले सीएम योगी के बुलडोजर की खूब चर्चा हुई. इतना ही नहीं कई रैलियों में बुलडोजर पर लोग सवार भी नजर आए.

पूरे चुनाव में सीएम योगी ममता बनर्जी सरकार पर हमलावर दिखे. उन्होंने ममता बनर्जी सरकार पर "भ्रष्टाचार, अराजकता और माफिया राज" का आरोप लगाया. साथ ही भाजपा की "डबल इंजन" सरकार का आ'न किया. सीएम योगी ने 'जय श्री राम' के नारे और हिंदुत्व के मुद्दे पर टीएमसी को घेरा. इस दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ के "ळटउ मुक्तो बांग्ला", "गोमाता को कटने नहीं देंगे, हिंदुओं को बंटने नहीं देंगे" और "जय श्री राम" जैसे नारे चर्चा में रहे.

बुलडोजर और विकास के मुद्दों से माहौल बनाया

सीएम योगी ने अपनी रैलियों में कानून-व्यवस्था, बुलडोजर और विकास के मुद्दों को उठाते हुए भाजपा के पक्ष में माहौल बनाया. सीएम योगी ने सोनामुखी (बांकुड़ा जिला), नंदकुमार (पूर्व मेदिनीपुर), कांथी दक्षिण, मालदा, पुरुलिया और उत्तरी बंगाल में भी रैलियां कीं. साथ ही कई रोड शो भी किए. अब देखना है कि जिन सीटों पर सीएम योगी ने रैलियां कीं, उसपर कितना असर दिखा?.

# लक्ष्मी मित्तल की कितनी है नेटवर्थ? 15,660 करोड़ में खरीदी राजस्थान रॉयल्स, 75 फीसदी शेयर के साथ बने नए किंग

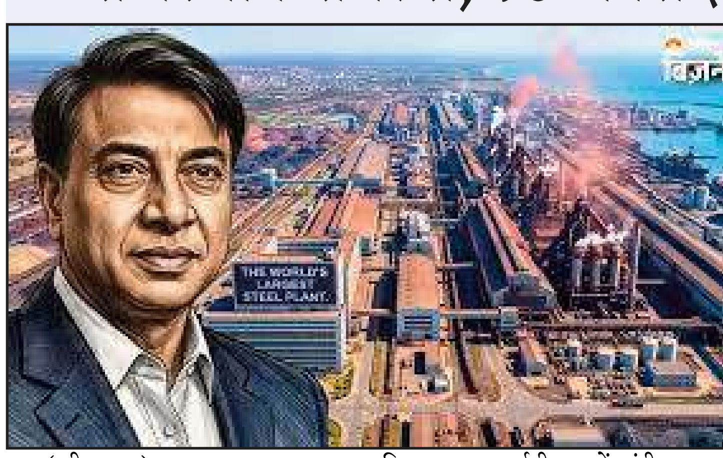


(जीएनएस)।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के मैदान पर जहां छक्कों की बारिश हो रही है, वहीं बिजनेस के गलियारों से एक ऐसी खबर आई है जिसने क्रिकेट जगत को हिलाकर रख दिया है। दुनिया के स्टील किंग कहे जाने वाले दिग्गज बिजनेसमैन लक्ष्मी मित्तल का परिवार अब आईपीएल में एंट्री कर चुका है। मित्तल परिवार ने लीग की पहली चैंपियन टीम राजस्थान रॉयल्स (RR) में बड़ी हिस्सेदारी खरीद ली है।

यह डील कुल 15,660 करोड़ रुपये ($1.65 बिलियन) में फाइनल हुई है। लक्ष्मी मित्तल परिवार ने मौजूदा प्रमोटर मनोज बदले और उनके ग्रुप से टीम का अधिग्रहण किया है। इस डील के बाद राजस्थान रॉयल्स के ओनरशिप स्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

**किसकी कितनी होगी हिस्सेदारी**

मित्तल परिवार: टीम में लगभग 75% की हिस्सेदारी रखेगा।

अदार पूनावाला: 'वैक्सीन किंग' और सीरम इंस्टीट्यूट के उउड अदार पूनावाला के पास करीब 18% हिस्सा होगा।

अन्य: बाकी की हिस्सेदारी छोटे निवेशकों के पास रहेगी।

**लक्ष्मी मित्तल की नेटवर्थ**

राजस्थान के चूरू जिले की सादुलपुर तहसील में जन्मे लक्ष्मी मित्तल स्टील इंडस्ट्री में बड़ा नाम हैं। कुछ समय पहले ही उन्होंने ब्रिटेन छोड़ने की घोषणा की थी। फोर्ब्स रियलटाइम बिलिनियर्स के आंकड़ों के अनुसार 75 वर्षीय लक्ष्मी मित्तल की नेटवर्थ 2.70 लाख करोड़ रुपये है। वह भारत के टॉप अमीरों की लिस्ट में चौथे स्थान पर आते हैं।

**लक्ष्मी मित्तल की कमाई का साधन**

लक्ष्मी मित्तल की अकूत संपत्ति का सबसे बड़ा आधार आर्सेलरमित्तल है, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कंपनी है। मित्तल इस कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। उनका बिजनेस मॉडल 'वर्टिकल इंटीग्रेशन' पर आधारित है, जिसका अर्थ है कि उनकी कंपनी न केवल स्टील बनाती है, बल्कि लौह अयस्क की खदानों का भी स्वामित्व रखती है, जिससे उनकी उत्पादन लागत कम और मुनाफा अधिक होता है। उनका बिजनेस कई अलग-अलग देशों में फैला हुआ है।

**लक्ष्मी मित्तल की प्रतिक्रिया**

टीम खरीदने के बाद मित्तल ने कहा कि मुझे क्रिकेट से गहरा लगाव है और मेरा परिवार राजस्थान से जुड़ा हुआ है, इसलिए आईपीएल में मेरे लिए राजस्थान रॉयल्स से बेहतर कोई टीम नहीं हो सकती। क्रिकेट से मेरा रिश्ता स्कूल के दिनों में शुरू हुआ था और तभी से यह खेल मेरी ज़िंदगी का अहम हिस्सा बन गया है।

# कैलाश मानसरोवर पर नेपाल का दावा अनुचित, मुद्दों के समाधान के लिए भारत रचनात्मक बातचीत को तैयार

नयी दिल्ली (जीएनएस)। भारत ने लिपुलेख दर्रे से कैलाश मानसरोवर यात्रा के बारे में नेपाल के दावों को अनुचित बताते हुए कहा है कि वह सभी मुद्दों के समाधान के लिए रचनात्मक बातचीत को तैयार है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में रविवार देर रात कहा कि लिपुलेख दर्रे से कैलाश मानसरोवर यात्रा पर भारत की स्थिति निरंतर और स्पष्ट रही है। कोई नया घटनाक्रम नहीं है। यह 1954 से यात्रा का स्थापित मार्ग रहा है।

प्रवक्ता ने कहा, ह्जहाँ तक क्षेत्रीय दावों का संबंध है, भारत ने लगातार यह कहते रहा है कि ऐसे दावे न तो उचित हैं और न ही ऐतिहासिक तथ्यों और साक्ष्यों पर आधारित हैं। क्षेत्रीय दावों का इस प्रकार का एकतरफा कृत्रिम विस्तार अस्वीकार्य है।

भारत द्विपक्षीय संबंधों के सभी मुद्दों पर, जिनमें सहमति से लंबित सीमा संबंधी मुद्दों का समाधान संवाद और कूटनीति के माध्यम से करना भी शामिल है, नेपाल के साथ रचनात्मक बातचीत के लिए तैयार है।

# 'मेरी जीवन साथी कहीं है ', क्या 67 साल के मुकेश खन्ना करने जा रहे हैं शादी?

(जीएनएस)।

:'शक्तिमान' और 'भीष्म पितामह' जैसे मशहूर किरदारों के लिए मशहूर 67 वर्षीय अभिनेता मुकेश खन्ना एक बार फिर से अपने एक बयान की वजह से लोगों के बीच में सुर्खियां बने हुई है, दरअसल 'फिल्मी चर्चा' से बात करते हुए मुकेश खन्ना ने शादी और रिलेशनशिप पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि 'मैंने आज तक शादी नहीं की तो इसका अर्थ ये नहीं कि मैं इसमें भरोसा नहीं करता हूं, मुझे लगता है कि इंसान की लाइफ में जीवनसाथी तब आता है, जब वो उसके भाग्य में लिखा होता है।'

यहां तक तो बात ठीक थी लेकिन जब उन्होंने ये कहा कि 'रही बात मेरी शादी की तो अगर ऐसा होना होता, तो अब तक हो गया होता लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि मेरी जीवनसाथी कहीं न कहीं मौजूद है। जब भाग्य हमें मिलाएगा, तब शादी होगी रही बात उम्र की तो मैं सच बताऊं इसे मैं गिनता नहीं हूं।'

मुकेश खन्ना के इस बयान के सामने आने के बाद से सोशल मीडिया पर लोग मुकेश खन्ना की बातों का अर्थ निकालने लगे कि 'क्या सच में वो अभी भी शादी कर सकते हैं?' तो वहीं एक यूजर ने लिखा कि 'लगता है कि शक्तिमान उर्फ मुकेश खन्ना को उनकी असली गीता विश्वास ( शक्तिमान की हिरोईन का नाम जिसे कि अभिनेत्री वैष्णवी ने निभाया था) मिल गई है।'

**'पुरुष वह होता है जिसके कई अफेयर्स हों'**

आपको बता दें कि अपने इंटरव्यू में मुकेश खन्ना ने कहा कि ' एक बार फिल्मकार रवि चोपड़ा ने कहा था, एक मर्द वह होता है जिसके कई अफेयर्स हों' उन्होंने बताया, 'उस समूह में उस वक्त सबके अफेयर्स थे, सिवाय मेरे।' मेरा मानना है कि मर्दानगी साबित करने के लिए दस गर्लफ्रेंड नहीं चाहिए, उन्होंने विवाह में निष्ठा और समाज के दोहरे

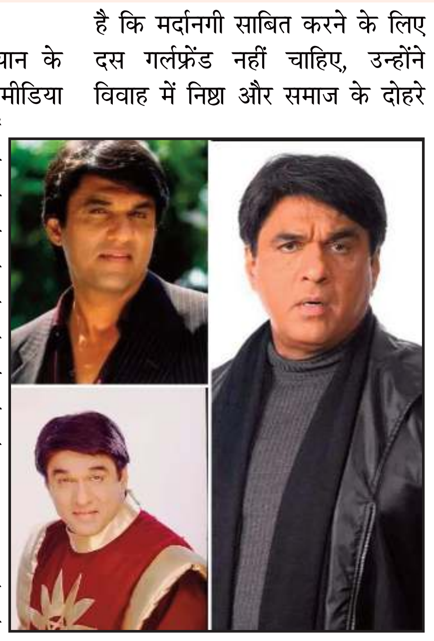

मानकों पर सवाल उठाया।

'महिला को पतिव्रता होना चाहिए', मुकेश खन्ना ने उठाए सवाल

मुकेश खन्ना ने पूछा, 'महिला को 'पतिव्रता' होना चाहिए, पर पुरुषों के लिए ऐसा क्यों नहीं?' मेरा मानना है कि 'यह उनके लिए भी उतना ही आवश्यक है, शादीशुदा होने का मतलब प्रतिबद्धता है, जहां दो आत्माएं मिलती हैं, लेकिन लोग इसे नहीं मानते और फिर वो धोखा देते हैं।'

**पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ था मुकेश खन्ना का जन्म**

आपको बता दें कि बी.आर. चोपड़ा की 'महाभारत' (1988-1990) में भीष्म की भूमिका निभाकर लोगों के दिलों में खास जगह बनाने वाले का जन्म एक पंजाबी हिंदू परिवार में हुआ था, मुंबई के सेंट जेवियर्स कॉलेज से अपनी उच्च शिक्षा पूरी करने के बाद, उन्होंने बैचलर ऑफ साइंस (ड.ढ.) की डिग्री और मास्टर ऑफ लॉज की योग्यता हासिल की, उन्होंने बाद में पुणे स्थित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ऋळकक) से अभिनय का एक कोर्स भी पूरा किया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com•garvigujarat2007@yahoo.com•Website : www.garvigujarat.co.in

# लखनऊ में पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने की आत्महत्या, पांच के खिलाफ केस दर्ज

**लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र में 28 वर्षीय युवक प्रशांत सिंह ने कथित पारिवारिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली।**

लखनऊ, निगोहां। नगराम थाना क्षेत्र के अमेठियन पुरवा गांव में रविवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां 28 वर्षीय युवक ने कथित पारिवारिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गांव निवासी अशोक सिंह के पुत्र प्रशांत सिंह के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि प्रशांत ने अपने कमरे में दुपट्टे के सहारे पंखे के हुक से फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन आनन-फानन में उसे नीचे उतारकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नगराम ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के पिता अशोक सिंह ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे को उसकी पत्नी ममता सिंह उर्फ रूचि, उसकी दो बहनों रूबी सिंह व बब्बी सिंह, तथा ससुर राजकरन सिंह और सास श्याम कुमारी सिंह द्वारा लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था।

उन्होंने इस संबंध में थाना नगराम में तहरीर देकर सभी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। सभी आरोपी बलरामपुर जनपद के थाना गैडास बुजुर्ग क्षेत्र के दुधरा गांव के निवासी बताए गए हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मृतक अपने पीछे दो मासूम बच्चों 7 वर्षीय हार्दिक और 4 वर्षीय यश को छोड़ गया है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है, और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

# लखनऊ के लिए एक बस, वह भी खस्ताहाल

उन्नाव, सफीपुर (जीएनएस)।। कस्बे से लखनऊ जाने वाली एकमात्र रोडवेज बस खस्ताहाल होने से अक्सर खराब हो जाती है। इससे आए दिन खराबी आने से बस का आवागमन बंद रहता है और यात्रियों को अन्य वाहनों का सहारा लेना पड़ता है। व्यापारियों ने अन्य का संचालन कराए जाने की मांग की है।

स्वास्थ्य सेवाओं और उच्च न्यायालय संबंधी कार्यों के यात्रियों के अलावा कस्बे से लेकर गांव तक फैले जरदोजी कारीगर लखनऊ बाजार पर ही आश्रित हैं। इन लोगों को लखनऊ तक पहुंचाने के लिए परिवहन विभाग द्वारा सुबह 6.30 बजे पर एक बस चलाई जाती है। हालांकि यह बस काफी पुरानी है। खराबी के कारण शनिवार को भी बस का संचालन ठप रहा। इससे यात्रियों को अन्य सवारी वाहनों का सहारा लेकर लखनऊ का आवागमन करना पड़ा।

एआरएम जीसी वर्मा ने बताया कि मामले को दिखवाया जाएगा। बस को सही कराकर नियमित संचालन शुरू कराया जाएगा। वहीं क्षेत्र के लिए दूसरी बस संचालन को उच्चाधिकारियों को पत्र भेजा जाएगा।

**परिवहन विभाग वैकल्पिक रूप से दूसरी व्यवस्था करे**

क्षेत्र के अतहा गांव निवासी सिद्धार्थ दीक्षित ने बताया कि निर्धारित समय पर अचानक बस का न जाना बड़ी समस्या है। परिवहन विभाग वैकल्पिक दूसरी व्यवस्था कराकर यात्रियों को राहत दे।

**दूसरे सवारी वाहन का लेना पड़ा सहारा**

कस्बे के मोहल्ला सैय्यदवाड़ा निवासी फरीद मुमताज ने बताया कि लखनऊ जाने के लिए निर्धारित समय पहुंचे पर अचानक बस न जाने की सूचना पर दूसरे सवारी वाहन के माध्यम से मियागंज जाने को मजबूर होना पड़ा।

# लखनऊ में रेलवे अधिकारी पर खूंखार बंदर का हमला, घर के शीशे टूटे; परिवार घर में कैद रहने को मजबूर

**लखनऊ के पाठक पुरम में एक आक्रामक बंदर ने रेलवे अधिकारी श्याम जी यादव पर हमला कर उन्हें काट लिया, जिससे उनके परिवार को घर में बंद रहना पड़ा।**

लखनऊ। (जीएनएस)। रायबरेली रोड स्थित पाठक पुरम में बंदरों का आतंक खतरनाक रूप लेता जा रहा है। यहां रहने वाले रेलवे अधिकारी श्याम जी यादव पर रविवार एक उग्र बंदर ने उस समय हमला बोला जब वह पोर्च में खड़े थे, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

श्याम जी यादव ने बताया कि वह छुट्टी के चलते घर पर थे। किसी काम से बाहर जाने के लिए जैसे ही घर के पास खड़ी कार के पास पहुंचे, अचानक एक बंदर ने उन पर झपट्टा मार दिया। बचने के लिए वह कमरे की ओर भागे, लेकिन बंदर ने पीछा करते हुए उन पर हमला कर और एक एक कर तीन बार पैर में काट लिया।

बंदर के इस तरह हमले से घबराकर श्याम और उनका परिवार अपने को कमरे में बंद कर लिया काफी देर तक बंदर फिर भी दरवाजे के बाहर बैठा रहा, जिससे वे बाहर नहीं निकल सके कुछ देर बाद जब बंदर गेट के पास नहीं दिख तो पड़ोसी की मदद से श्याम हेलमेट लगा हाथ में डंडा लेकर बाहर निकले और कार से अस्पताल पहुंचकर इलाज कराया।

श्याम का कहना है कि इलाके में पिछले कई दिनों से बंदर घूम रहा था, लेकिन उसके इतने आक्रामक होने का अंदाजा नहीं था। पहले उन्होंने पड़ोस में रहने वाले बी एन यादव के ऊपर हमला किया, लेकिन उन्होंने बचने के लिए तुरंत खिड़की को बंद किया, लेकिन बंदर के हमले से शीशा ही टूट गया।

पीड़ित श्याम ने वन विभाग से बंदर को जल्द पकड़ने की मांग की है, ताकि किसी और के साथ ऐसी घटना न हो। श्याम ने बताया कि बंदर के इस रवैया से परेशानी क्षेत्र के लोगों को भी है, लेकिन एक बड़ी परेशानी यह है कि हमारे घर में लगभग 1500 स्क्वायर फीट में बागवानी की जाती है, जिसमें गौरैया से लेकर अन्य प्रजाति के पंछियों का बसेरा भी है कई पक्षियों घोंसला बनाकर अंडे भी दे रखे हैं। बच्चे भी अंडे से निकल आए हैं। यह चिंता सता रही है कि कहीं ये पंछी परेशान ना हो जाए या फिर यह उग्र बंदर उन घोसलों को ना तोड़ दे।

# लखनऊ ग्रीन रेस में 1500 लोग दौड़े, बारीश से जोश हुआ हाई, 3.5 किलोमीटर रेस लगाई

**एलडीए ने पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रीन रन का आयोजन किया था.**

लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण (छळ्ळ) की ओर से रविवार को आयोजित ग्रीन रन में लोगों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला. सुबह पांच बजे बारिश से मौसम खुशनुमा हुआ, तो फिटनेस का जोश दोगुना हो गया. ठंडी हवा के बीच भीगी सड़क पर लोग चेहरे पर मुस्कान लेकर दौड़े और ग्रीन कॉरिडोर पर हुयी यह पहली फन रेस लखनऊ के लिए यादगार बन गयी.

एलडीए ने पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रीन रन का आयोजन किया था. जिसमें ग्रीन कॉरिडोर पर झूलेलाल वाटिका से न्यू डालीगंज ब्रिज के बीच 3.5 किलोमीटर (5,000 स्टेप) की रेस हुयी. इसमें प्रतिभाग करने के लिए 1500 से अधिक लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया और दौड़ में हिस्सा लिया. बड़ी संख्या में लोग मौज-मस्ती के लिए जुटे. फिल्मी गानों और फ्यूजन म्यूजिक पर खूब थिरके.

सत्यम और स्नेहा ने मारी बाजी : सुबह 6:00 बजे फ्लैग ऑफ के साथ ग्रीन रन की शुरूआत की गयी. चार श्रेणियों में हुयी इस रेस में 18 से 30 वर्ष श्रेणी में सुमित ने प्रथम, रमेश ने द्वितीय और सुनील ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. वहीं, 30 से 50 वर्ष श्रेणी में अजय अव्वल रहे, जबकि मयंक अवस्थी द्वितीय और राघवेन्द्र तृतीय स्थान पर रहे. 50 वर्ष व उससे अधिक आयु वर्ग में आदेश ने प्रथम, आदित्य ने द्वितीय और अजय कुमार टंडन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. युगल श्रेणी में सत्यम-स्नेहा ने बाजी मारी, जबकि श्रेयश-स्नेहा द्वितीय और ध्रुव-चन्द्रा तृतीय स्थान पर रहे.

हर तरफ दिखा उत्साह : ग्रीन रन का रोमांच कुछ ऐसा था कि किसी को हार और जीत की फिक्र नहीं थी. विजेता प्रतिभागी जीत पर खुश थे तो बाकी प्रतिभागी इस भव्य आयोजन का उत्सव मना रहे थे. एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार व सचिव विवेक श्रीवास्तव ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया. वहीं, रेस में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों को टी-शर्ट व मेडल प्रदान किये गये.

सोशल मीडिया पर दिखा ट्रेंड : एलडीए की इस ग्रीन रन का सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रेंड देखने को मिला. कार्यक्रम में आये युवाओं ने खूब सेल्फी ली, उमंग और उत्साह से भरे वीडियो रिकॉर्ड किये और सोशल मीडिया पर पोस्ट किये. कार्यक्रम में प्रतिभागियों की सहूलियत का पूरा ध्यान रखा गया. रेस के रूट पर चार स्थानों पर हाइड्रेशन प्वाइंट बनाये गये थे. सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल व चिकित्सकों की टीम एम्बुलेंस के साथ मौजूद रही.

# रायपुर से लखनऊ आ रही गरीब रथ में सीट पर गिरा एसी का डक्ट, चलती ट्रेन में हादसा होने से सहमे मुसाफिर

**अपनी सीट पर चादर बिछाकर बैठने ही वाले थे कि ऊपर से एसी डक्ट नीचे गिर गया। कोच में मौजूद अन्य यात्री भी दहशत में आ गए।**

(जीएनएस)।

लखनऊः रेलवे के मेंटेनेंस के दावों की एक बार फिर पोल खुल गई है। रायपुर से लखनऊ आ रही गरीब रथ एक्सप्रेस (12536) के एसी कोच में उस वक्त बड़ा हादसा बच गया, जब छत से सीधे एसी का डक्ट यात्री की सीट पर आ गिरा। गनीमत रही कि यात्री बाल-बाल बच गया, लेकिन इस घटना ने ट्रेनों की सुरक्षा और रखरखाव पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए है।

यात्री अनिवेश विशेष चतुवेर्दी (पीएनआरः 6702971818) ने कहा कि वह अपनी सीट पर चादर बिछाकर बैठने ही वाले थे कि अचानक भारी-भरकम एसी डक्ट नीचे गिर गया। इस अचानक हुए हादसे से कोच में मौजूद अन्य यात्री भी दहशत में आ गए। सूचना मिलने पर मेटेनेस कर्मियों ने आकर डक्ट को किसी तरह ठीक किया, लेकिन पूरे सफर के दौरान यात्री खौफ के साए में रहे। रेलवे ने अब इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

**प्रीमियम ट्रेनों का भी बुरा हाल**

पुष्पक एक्सप्रेस (12533): कोच बी-2 के यात्रियों ने शिकायत की कि एसी काम नहीं करने की वजह से कोच स्लीपर जैसा तप रहा था। रेल मदद' पर शिकायत के बावजूद सिर्फ रेफरेंस नंबर मिला, राहत नहीं।

**ट्रेन खा गई एक दिन की छुट्टी**

सिवान के बादशाह सिंह नई दिल्ली में प्राइवेट जॉब करते हैं। पारिवारिक आयोजन में गांव गए थे। उनको शनिवार को ऑफिस जॉइन करना था। सभी नियमित ट्रेनों में 60 दिन पहले ही टिकट बुक हो गए थे। किसी तरह उन्होंने 02563 नई दिल्ली स्पेशल में टिकट लिया। ट्रेन को शनिवार की सुबह 05:10 बजे पहुंचना था, लेकिन यह शाम को 04:44 बजे आनंद विहार टर्मिनल पहुंच पाई। इसकी वजह से बादशाह सिंह को अपनी एक अतिरिक्त छुट्टी गंवानी पड़ी।

**लखनऊ एयरपोर्ट की 'सिक्योरिटी' पर उठे सवाल**

राजधानी के अमौसी एयरपोर्ट पर विमानों की सुरक्षा में अब पशु-पक्षी बड़ा रोड़ा साबित हो रहे हैं। हाल ही में रनवे पर फ्लाइट के ठीक सामने एक बंदर के आ जाने से एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए है। इससे पहले भी रनवे के पास कुत्तों के घुसने की घटनाएं सामने आ चुकी है, जिससे विमानों का संचालन प्रभावित हुआ था। एयरपोर्ट सुरक्षा मानकों के तहत रनवे और आसपास के क्षेत्र को पूरी तरह 'एनिमल फ्री जोन बनाए रखना अनिवार्य होता है। इसके लिए नियमित पेट्रोलिंग, फेंसिंग की निगरानी और वन्यजीव नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू किया जाना चाहिए।

शाम के वक्त 'स्पेशल पहरा'

रनवे पर किसी भी जानवर या पक्षी का आना एक बड़े विमान हादसे का कारण बन सकता है। इससे पल भर में सैकड़ों यात्रियों की जान जोखिम में पड़ सकती है। इस खतरे की गंभीरता को देखते हुए अब एयरपोर्ट प्रशासन ने शाम के बाद रनवे पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए सरकार को भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।

**ठंडे बस्ते में कार्रवाई**

कमिटी ने एयरपोर्ट के आसपास से मास की दुकानों को हटाने के निर्देश दिए थे। शुरूआत में कुछ एक्शन जरूर हुआ, लेकिन अब कमिटी सुस्त पड़ चुकी है और मास की दुकाने धडल्ले से चल रही है।

**निजी प्रबंधन को चपत**

अमौसी एयरपोर्ट का प्रशासन निजी हाथों में है। पशु-पक्षियों के रनवे पर आने से फ्लाइट्स के संचालन का शेड्यूल बिगड़ रहा है, जिससे ऑपरेटर को सीधा आर्थिक नुकसान उठाना पड रहा है।

# लखनऊ में पार्श्वनाथ प्लाजा में युवती ने 11वीं मंजिल से लगाई छलांग, समिट बिल्डिंग के सामने की घटना

(जीएनएस)।

लखनऊ के विभूतिखंड स्थित पार्श्वनाथ प्लाजा की 11वीं मंजिल से एक 22 वर्षीय युवती शिवांशी पाल ने छलांग लगा दी, जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।. सूचनानुसार समिट बिल्डिंग के सामने स्थित पार्श्वनाथ प्लाजा की 11वीं मंजिल से रविवार देर शाम एक युवती ने छलांग लगा दी। घटना के बाद परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवती को एंबुलेंस से लोहिया संस्थान भेजकर भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। इंस्पेक्टर विभूतिखंड अमर सिंह ने बताया कि डायल 112 पर सूचना मिली थी कि एक युवती प्लाजा से कूद गई है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि युवती ने बाथरूम की बालकनी से छलांग लगाई थी। घायल अवस्था में उसे तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। घटना के समय युवती के साथ उसकी सहकर्मी अंजली सिंह भी मौजूद थीं।

घायल युवती की पहचान 22 वर्षीय शिवांशी पाल के रूप में हुई है। वह वर्तमान में सुरेंद्रनगर क्षेत्र में रह रही थीं, जबकि मूल रूप से रायबरेली रोड स्थित खरगापुर की निवासी हैं। बताया जा रहा है कि शिवांशी पार्श्वनाथ प्लाजा स्थित एक कंपनी में टेलीकालर के रूप में कार्यरत थीं।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने युवती के परिवारजनों को सूचित किया। उसकी बहन रोली को भी सूचना दे दी गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवती ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया।

फिलहाल, युवती की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि युवती के बयान के बाद ही घटना के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

# हंगरी, पोलैंड और नाइजीरिया से भी एलयू में एडमिशन के आवेदन

**इस बार 64.2 प्रतिशत इजाफे के साथ अब तक आए विदेशी स्टूडेंट्स के 3421 आवेदन।**

लखनऊ (जीएनएस)। लखनऊ यूनिवर्सिटी की पहुंच धीरे-धीरे वैश्विक होती जा रही है। यही कारण है कि सेशन 2026-27 के लिए यहां एडमिशन के लिए इंटरनेशनल स्टूडेंट्स के आवेदनों की संख्या में भारी इजाफा देखने को मिल रहा है। इस वर्ष न केवल पड़ोसी देशों, बल्कि हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के स्टूडेंट्स ने भी लखनऊ यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए उत्साह दिखाया है।

बीते वर्ष से अधिक आवेदन

खास बात ये है कि सेशन 2025-26 के 2,083 आवेदनों की तुलना में इस वर्ष अब तक 64.2 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ कुल 3,421 आवेदन स्टूडेंट्स के आ चुके हैं, जबकि सेशन शुरू होने में अभी दो माह का समय शेष है।

**इन देशों के स्टूडेंट्स के आवेदन**

प्रवक्ता प्रोफेसर मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि इस वर्ष हंगरी और पोलैंड जैसे यूरोपीय देशों के साथ-साथ नाइजीरिया, तंजानिया, और बोत्सवाना जैसे अफ्रीकी देशों से महत्वपूर्ण संख्या में स्टूडेंट्स के आवेदन मिले हैं। एशियाई देशों में नेपाल, वियतनाम और बांग्लादेश के स्टूडेंट्स ने विशेष रुचि दिखाई है, जिनमें सर्वाधिक आवेदन बांग्लादेश से प्राप्त हुए हैं।

**अफ्रीकी देशों का भी रुझान**

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो। जेपी सैनी ने कहा कि लखनऊ यूनिवर्सिटी की वैश्विक शैक्षणिक साख और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का ही परिणाम है कि आज यूरोपीय और अफ्रीकी देशों के स्टूडेंट यहां एडमिशन लेने के लिए उत्सुक हैं। विशेषकर स्नातक स्तर पर इंटरनेशनल स्टूडेंट्स की बढ़ती संख्या भारत की मजबूत वैश्विक छवि और उत्तर प्रदेश की सुरक्षित एवं बेहतर स्थिति को प्रमाणित करती है।

**इन कोर्सों में अधिक आवेदन**

स्नातक में 2,552 आवेदन हैं, जिनमें बी.टेक में सबसे अधिक रुझान है। स्नातकोत्तर में 595 आवेदन में से सबसे ज्यादा एमकाम एवं एमए की मांग है। वहीं, 274 इंटरनेशनल स्टूडेंट्स ने पीएचडी के लिए भी आवेदन किया है। सभी कोर्सों को मिलाकर 3,421 आवेदन हैं। सबसे अधिक स्टूडेंट्स के आवेदन स्नातक स्तर पर हैं।

# लखनऊ के पीजीआई और केजीएमयू ने खोजी एचटीआर तकनीक, बताएगी थायराइड कैंसर का इलाज कितना सही

**लखनऊ के पीजीआई और केजीएमयू ने खोजी एचटीआर तकनीक, बताएगी थायराइड कैंसर का इलाज कितना सही थायराइड कैंसर सर्जरी के बाद मरीज कितना ठीक हुआ, यह पता लगाना अब आसान होगा। केजीएमयू और संजय गांधी पीजीआई द्वारा हेपेटिक थाई रेशियो (एचटीआर) तकनीक विकसित की है। यह रेशनल अनुपात का आकलन कर कैंसर के दोबारा उभरने के खतरे को बता देगा।**

लखनऊ (जीएनएस)। थायराइड कैंसर सर्जरी के बाद मरीज कितना ठीक हुआ, यह पता लगाना अब आसान होगा। केजीएमयू और संजय गांधी पीजीआई द्वारा हेपेटिक थाई रेशियो (एचटीआर) तकनीक विकसित की है। यह रेशनल अनुपात का आकलन कर कैंसर के दोबारा उभरने के खतरे को बता देगा। इस तकनीक के 60 थायराइड कैंसर मरीजों पर की गई स्टडी में बेहतर रिजल्ट मिले हैं। इस स्टडी को यूके के प्रतिष्ठित न्यूक्लियर मेडिसिन कम्युनिकेशंस जर्नल ने मान्यता दी है।

**एचटीआर तकनीक का फायदा**

न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के डॉ। प्रकाश सिंह ने बताया कि थायराइड कैंसर सर्जरी के बाद अगर थोड़ा भी कैंसर टिश्यू रह गया तो यह दोबारा तेजी से पनप सकता है। इस नए पैरामीटर की मदद से कैंसर के दोबारा उभरने के खतरे का पता लगाकर इसके दोबारा होने के जोखिम को काफी हद तक टाला जा सकता है। अब तक डॉक्टर इलाज के असर को समझने के लिए खून की जांच और स्कैन पर ज्यादा निर्भर रहते थे। लेकिन अब एक नया पैरामीटर हेपेटिक-थाई रेशियो (एचटीआर) काफी मददगार साबित होगा।

स्टडी में 60 कैंसर मरीजों को 30-30 के दो ग्रुप में बांटा गया। मरीजों का इलाज रेडियोआयोडीन थेरेपी से किया गया। हेपेटिक जबकि, एचटीआर लिवर और थाई के बीच के रेडियो आयोडीन लेवल मरीज के उपचार की स्थिति को समझने में अहम भूमिका निभाता है। जिन मरीजों का एचटीआर का स्तर 2.135 से कम था, उनमें ज्यादातर मरीजों में बीमारी पूरी तरह खत्म हो गई। जिन मरीजों में एचटीआर लेवल बढ़ा हुआ था, उनमें इलाज का असर कम देखा गया। इनमें कैंसर के बने रहने या दोबारा उभरने की आंशका ज्यादा पाई गई।

# बिहार की राजनीति में आने वाला है बड़ा बदलाव? सत्याग्रह की भूमि से निशांत कुमार के जन-संपर्क का नया मॉडल

(जीएनएस)।

बिहार की राजनीति में इन दिनों एक नई हलचल देखी जा रही है। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के उभरते युवा नेता निशांत कुमार ने अपनी पहली आधिकारिक राजनीतिक यात्रा, 'सद्भाव यात्रा' का बिगुल फूंक दिया है। इस पहल को केवल सत्ता की राजनीति के रूप में नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर संगठन को नई ऊर्जा देने और कार्यकताओं के साथ सीधा संवाद स्थापित करने के एक सशक्त माध्यम के रूप में देखा जा रहा है।

निशांत कुमार का मानना है कि वास्तविक राजनीति ड्राइंग रूम से नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर उनकी धड़कन समझने से शुरू होती है। यह यात्रा बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में युवाओं की बढ़ती भागीदारी और उनके सेवा भाव को प्रदर्शित करने का एक नया अध्याय साबित हो सकती है।

**चंपारण सत्याग्रह से ली प्रेरणा**

निशांत कुमार ने अपनी इस यात्रा को एक ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए इसकी तुलना महात्मा गांधी के चंपारण सत्याग्रह से की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार बापू ने बिहार की पावन धरती चंपारण से अपने पहले सत्याग्रह की शुरूआत कर देश की दिशा बदली थी, ठीक उसी तरह वह भी समाज के बीच जाकर आपसी भाईचारे और संवाद का संदेश फैलाना चाहते हैं। उनके लिए यह यात्रा महज एक दौरा नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन की एक ऐसी पाठशाला है, जहाँ वह आम जनमानस की अपेक्षाओं को गहराई से सीखेंगे।

# यूपी में आंधी-बारिश के बीच बिजली गिरने का खतरा, सीएम योगी की अपील- अनावश्यक घर से बाहर निकलने से बचें

लखनऊ, (जीएनएस)।

मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार कई जिलों में तेज हवाएं, गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। ऐसे में लोगों को खुले मैदान, पेड़ों के नीचे और बिजली के खंभों के पास खड़े होने से बचना चाहिए।

उत्तर प्रदेश में 4 मई को संभावित खराब मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों से सतर्क रहने की अपील की है। आंधी, तेज हवाओं और बारिश के दौरान अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता देने की अपील की है।

मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार कई जिलों में तेज हवाएं, गरज-चमक और बिजली गिरने की घटनाएं हो सकती हैं। ऐसे में लोगों को खुले मैदान, पेड़ों के नीचे और बिजली

के खंभों के पास खड़े होने से बचना चाहिए। किसानों से अपनी फसल और पशुधन का भी ख्याल रखने की अपील की है।

सीएम योगी ने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि खराब मौसम के दौरान बच्चों को घर के अंदर ही रखें। वहीं प्रशासन को भी पूरी तरह मुस्तैद रहने के निर्देश दिए हैं। सभी जिलाधिकारियों, पुलिस और आपदा प्रबंधन विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है। राहत और बचाव टीमों को सक्रिय कर दिया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता पहुंचाई जा सके। सरकार हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार है, लेकिन जनता का सहयोग बेहद जरूरी है।

**इन जिलों में ओलावृष्टि की चेतावनी**

प्रदेश के मौसम केंद्र ने कई जिलों में भारी ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की है। खासकर तराई और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच और लखीमपुर खीरी में इसका अधिक असर देखने को मिल सकता है।

# यूपी में एक साल में डेढ़ लाख से अधिक सरकारी नौकरी निकलेंगी, सीएम योगी ने किया ऐलान

**यूपी चुनाव 2027 से पहले प्रदेश में सरकारी नौकरियों की बहार रहेगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक साल में डेढ़ लाख से ज्यादा सरकारी पदों पर भर्तियां की जाएंगी।**

लखनऊ (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक साल के अंदर राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों में डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्ती का ऐलान किया है। उन्होंने रविवार को कहा कि भाजपा सरकार ने नौ साल के कार्यकाल में नौ लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दे चुकी है। उनकी सरकार ने सकुशल और पारदर्शी तरीके से देश में सर्वाधिक नियुक्तियां करने का रिकॉर्ड कायम किया है।

मुख्यमंत्री ने नव चयनित कनिष्ठ विश्लेषकों (औषधि) एवं दंत स्वास्थ्य विज्ञानियों के 609 पदों पर चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण के कार्यक्रम में कहा कि सरकार की स्पष्ट नीति और साफ नीयत की वजह से ही प्रदेश में पिछले नौ वर्षों के अंदर नौ लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी गई है। देश के अंदर किसी भी राज्य में सबसे अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को सकुशल और पारदर्शी तरीके से संपन्न करने का यह रिकॉर्ड है और हम अभी लगातार नियुक्तियां कर रहे हैं।

**यूपी लोक सेवा आयोग 15 भर्तियां कराएगा**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

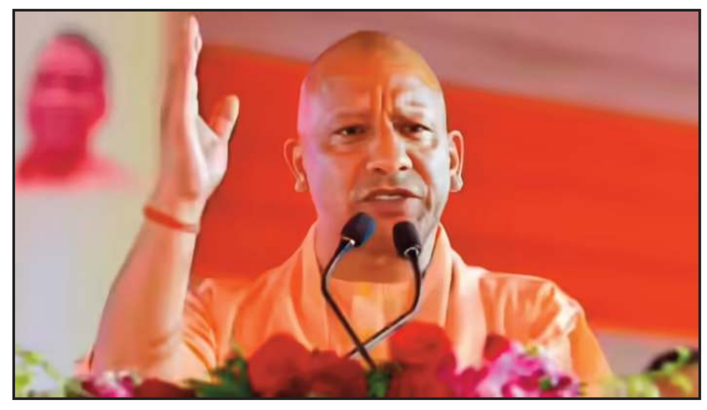

कहा कि सरकार वित्त वर्ष 2026-27 में राज्य के विभिन्न सरकारी विभागों में डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्तियां करेगी। अकेले अधीनस्थ सेवा चयन आयोग इस वर्ष 32 हजार से अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया संपन्न करेगा। इसके अलावा शिक्षा सेवा चयन आयोग हजारों शिक्षकों की भर्ती की प्रक्रिया पूरी करेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग लगभग 15 भर्तियां इस साल संपन्न कराएगा। इसके अलावा पुलिस में भी भर्तियों की प्रक्रिया चल रही है।

**धांधली करने पर आजीवन कारावास**

उन्होंने कहा कि यह मानकर चलिए कि एक वर्ष के अंदर यानी 2026-27 के अंदर उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों में डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्तियां होनी हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में धांधली को रोकने के लिए सख्त कानून बनाया है, जिसमें धांधली करने वालों को आजीवन कारावास और सम्पत्ति जब्त करने के सख्त प्रावधान किए गए हैं। यही वजह है कि सरकार अभी तक नौ लाख पदों पर पूरी पारदर्शिता के साथ भर्तियां कर चुकी है।

**योगी ने कहा- भेदभाव करना महापाप है**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने बिना किसी भेदभाव के नियुक्तियां दी हैं, क्योंकि किसी भी प्रतिभावान नौजवान के साथ जाति, क्षेत्र और संप्रदाय के आधार पर भेदभाव होना अपने आप में 'महापाप' है। अगर हमने भेदभाव किया होता तो हम उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को इन नौ वर्षों में तीन गुना नहीं बढ़ा पाते और उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय को तीन गुना करने में सफल नहीं हो पाते।

**2017 से पहले यूपी के स्वास्थ्य व्यवस्था राम भरोसे थी**

उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था 'भगवान भरोसे' थी और इसी वजह से पूरा तंत्र ही बीमार था। उत्तर प्रदेश जैसा राज्य यूं ही 'बीमारू' राज्य नहीं बना था, उसे चयन की प्रक्रिया में भेदभाव, बेईमानी और भ्रष्टाचार ने बीमारू, अराजक और गुंडागर्दी से त्रस्त उत्तर प्रदेश बना दिया था। चयन की प्रक्रिया में इतने भेदभाव होते थे कि न्यायालय को उन्हें रोकना पड़ता था। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले न्यायालय ने हर नियुक्ति की प्रक्रिया को कहीं न कहीं स्थगन आदेश देकर रोका था और तमाम प्रकार की तीखी टिप्पणियां की थीं।

**बिना नाम लिए बोला हमला**

उन्होंने उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग और उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग में व्यापक धांधलियों का आरोप लगाते हुए किसी का नाम लिए बगैर कहा कि जो योग्य नहीं था, वह आयोग का अध्यक्ष बन गया था। जिसकी खुद की डिग्री फर्जी थी, वह अध्यक्ष बनाकर लोगों का चयन कर रहा था। वर्ष 2017 में जब वह मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने नियमावली तैयार कराकर पारदर्शितापूर्ण तरीके से भर्तियां शुरू करायीं।

# प्रदेश के चार लिंक एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण इसी माह, सीएम योगी ने दिया आदेश

**यूपी सरकार ने प्रदेश में एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की गति को तेज करने की योजना पर बड़ा प्रयास शुरू किया है। इसको लेकर सीएम योगी ने आदेश जारी किए।**

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे के विस्तार पर बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। हाई स्पीड कनेक्टिविटी की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश के सबसे लंबे प्रयागराज-मेरठ गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के बाद चार नए एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण की गति तेज होगी। इस संबंध में सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को आदेश जारी कर दिए हैं। इन चार एक्सप्रेसवे परियोजनाओं को तेज गति से पूरा कराने की योजना है। सीएम योगी ने फरुर्खाबाद लिंक एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ते हुए जेवर लिंक एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल लिंक एक्सप्रेसवे और झांसी लिंक एक्सप्रेसवे के लिए जमीन अधिग्रहण का काम इसी महीने पूरा कर लेने के निर्देश दिए हैं।

**सीएम योगी ने दिया निर्देश**

सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को स्टेट ट्रांसफार्मेशन कमीशन की बैठक में एक्सप्रेसवे परियोजनाओं को लेकर निर्देश जारी

किए। मुख्यमंत्री ने करीब 50 हजार करोड़ लागत की एक्सप्रेसवे, औद्योगिक पार्क, लाजिस्टिक हब और शहरी परियोजनाओं को मिशन मोड में आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। इनमें से एक्सप्रेसवे परियोजनाओं की लागत ही 50 करोड़ रुपये प्रति किलोमीटर है। चार लिंक एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण में तेजी का निर्देश दिया गया। वहीं, विंध्य एक्सप्रेसवे, मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेसवे और नोएडा-जेवर एक्सप्रेसवे के लिए भी जमीन अधिग्रहण की तैयारी तेज करने के निर्देश दिए हैं।

**रेट रिवीजन प्रस्ताव भेजने को कहा**

सीएम योगी ने कहा कि एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में देरी नहीं हो। अगर रेट रिवीजन आवश्यक हो तो इस संबंध में प्रस्ताव तत्काल सरकार को भेजे जाएं। सीएम ने स्पष्ट तौर पर संबंधित जिलाधिकारियों को कहा कि किसानों-जमीन मालिकों से सीधा संवाद करें। उन्हें उचित मुआवजा मिले और रजिस्ट्री के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती कर प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जाए। सीएम ने कहा कि जहां भी प्रक्रियात्मक बाधाएं हैं, उन्हें दूर करते हुए परियोजनाओं का काम समय से पूरा कराएं।

सीएम योगी ने विंध्य एक्सप्रेसवे, मेरठ-हरिद्वार एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल को जोड़ते हुए वाराणसी तक एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के लिए भी जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने को कहा है। सीएम ने कहा कि जल्द ही डिफेंस कॉरिडोर के चित्रकूट नोड में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड की इकाई का शिलान्यास होगा।

**योजनाओं में तेजी पर जोर**

सीएम योगी ने योजनाओं की गति में तेजी का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे की फाइनांशियल बिड का काम पूरा करिए। साथ ही, ग्रेटर नोएडा में विकसित किए जा रहे मल्टी मॉडल लाजिस्टिक हब और मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब परियोजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं प्रदेश को राष्ट्रीय और वैश्विक सप्लाई चेन से जोड़ेंगी। औद्योगिक विकास को गति देने के लिए मॉडल बिल्डिंग बायलाज को निवेश अनुकूल बनाते हुए शीघ्र लागू करने पर जोर दिया।

# ये कैसे हो पाएगा सर? जब अफसरों ने पूछा था सवाल, सीएम योगी ने सुनाया किस्सा, अखिलेश पर बोला हमला

**सीएम योगी ने कहा कि बेईमान राजनीतिज्ञयों और भ्रष्ट नौकरशाहों को रोकना है तो अपने आप से शुरूआत करिये. आपको भी अपने स्तर पर अब अच्छा प्रदर्शन करना होगा. मै एक बार फिर 609 युवाओं को बधाई देता हूं. मुझे उम्मीद है विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के विजन में आप अपनी भूमिका निभाएंगे.**

लखनऊः (जीएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नवनियुक्त कनिष्ठ विश्लेषकों और दंत स्वास्थ्य वैज्ञानियों को नियुक्ति पत्र सौंपा. इस दौरान सीएम योगी ने पहले की सरकारों में होने वाली भर्तियों, कानून व्यवस्था और सूबे में निवेश को लेकर जमकर निशाना साधा. सीएम योगी ने कहा कि टरटए सेक्टर में ढेर सारे युवाओं को नौकरी मिली हैं. दंगा मुक्त प्रदेश बना तो अच्छा निवेश आया. यूपी में फार्मा सेक्टर के 17 टडव हुए. वढ में उद्योग लगेगा तो वढ के लोगों को रोजगार मिलेगा. आप भाग्यशाली हैं कि आपको भर्ती के लिए सिफारिश नहीं करनी पड़ी. पहले चाचा भतीजे की जोड़ी वसूली के लिए निकल पड़ती थी. जब फंसते थे तो सजा भर्ती बोर्ड के चेयरमैन को मिलती थी.

**'बीमारी से पहले बचाव की देनी चाहिए जानकारी'**

सीएम योगी ने कहा कि बेईमान राजनीतिज्ञयों और भ्रष्ट नौकरशाहों को रोकना है तो अपने आप से शुरूआत करिये. आपको भी अपने स्तर पर अब अच्छा प्रदर्शन करना होगा. मै एक बार फिर 609 युवाओं को बधाई देता हूं. मुझे उम्मीद है विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के विजन में आप अपनी भूमिका निभाएंगे. आज 252 दंत वैज्ञानियों की भी भर्ती हो रही थी. पहले अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य की चिंता थी. पहले समाज के स्वास्थ्य की चिंता नहीं थी. किसी का दाँत खराब हो जाए तो उसका सारा स्वाद खराब हो जाता था. बीमारी से पहले बचाव की जानकारी दी जानी चाहिए. हम नौजवानों को सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार देंगे.

**'अब हर जिले में मेडिकल कॉलेज है'**

सीएम योगी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिए 6 लैब थी और अब 18 हो गए हैं. अबतक 36 हजार खाद्य नमूनो की प्रति वर्ष जांच होती थी. अब 1 लाख 8 हजार से अधिक नमूनो की जांच हो सकेगी. भर्ती की परीक्षा पूरी पारदर्शी और निष्पक्षता से होगी. जाति, धर्म, क्षेत्र के आधार पर भेदभाव करना महापाप है. वढ में देश का सबसे अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर दिया, जिन विभागों को कोई नहीं जानता था उन्हें भी आज पहचान मिली. आज सभी जिलों में एक एक मेडिकल कालेज है. वढ में 81 मेडिकल कालेज और 2 एम्स हैं. पहले ना अच्छे अस्पताल थे ना स्टॉफ था, सब भगवान भरोसे थे.

खाद्य सुरक्षा और औषधि विभाग को लोग जानते ही नहीं थे. जबकि खाद्य सुरक्षा और औषधि विभाग बहुत महत्वपूर्ण विभाग है. हर एक खाद पदार्थ में मिलावट है. उसे कौन रोकता? उसे पुलिस नहीं रोक सकती, आवश्यक उपकरण नहीं थे. पहले ने स्टॉफ था, ना लैब ना उपकरण था. आज हर एक मंडल स्तर पर अ ग्रेड की लैब है. हर खाद्य पदार्थ की जांच उस लैब में हो सकेगी. गलत पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी. पहले आजादी के बाद सिर्फ 5 औषधि परीक्षण प्रयोगशाला थी. अब हर मंडल पर 18 प्रयोगशाला है. वढ में अब 55 हजार औषधि नमूनो की एक साथ जांच हो सकती है. नकली दवाओं की जांच अब आसानी से हो सकेगी. अब तक सिर्फ 44 कनिष्ठ विश्लेषक थे, अब 357 की भर्ती हुई है।

**'अधिकारी बोले कि सर ट्रेनिंग कैसे होगी'**

उट योगी आदित्यनाथ ने यूपी पुलिस भर्ती का जिक्र करते हुए कहा, 'जब मैंने कहा एक साथ 60 हजार पुलिस भर्ती करो. अधिकारियो ने कहा कि भर्ती के बाद ट्रेनिंग कैसे होगी. क्योंकि अधिकारी भी पुराने ही थे, मानसिकता बदलने में समय लग रहा था. मैंने केद्रीय सुरक्षा बलों के ट्रेनिंग सेंटर और अन्य राज्यों से बात कर ट्रेनिंग कराई. मैंने अभी सभी जवानो की भर्ती कर उनकी नियुक्ति कर दी है.

**'भर्ती में सेंध ना लगे, उसके लिए सख्त कानून बनाया है'**

मैंने 9 लाख से अधिक निष्पक्ष भर्ती कराई. अधीनस्थ चयन आयोग इस वर्ष 32 हजार भर्ती करेगा. वढ लोक सेवा आयोग 15 हजार भर्ती करेगा. वढ पुलिस भर्ती बोर्ड 45 हजार रकऔर होम गार्ड की भर्ती कर रहा है. अगले 1 वर्ष में डेढ़ लाख भर्ती की जाएगी. वढ की भर्ती में सेंध ना लगे उसके लिए सख़्त कानून बनाया है. भर्ती में धांधली करने वालों को आजीवन कारावास और उसकी संपत्ति जब्त करने का कानून है.

**'पहले परीक्षा कोई और देता था, सलेक्शन किसी और को होता था'**

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं सभी 609 पदों पर चयनित युवाओं को हृदय से बधाई देता हूं. निष्पक्ष पारदर्शी तरीके से चयन कराने के लिए भी सभी को बधाई देता हूं. अपेक्षित परिणाम ना आने पर परिवार और रिश्तेदारों के सपने चकनाचूर होते हैं. चयन में धोखा सिर्फ उस युवा के साथ नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ी के साथ धोखा है. बेईमानी और भ्रष्टाचार ने इस राज्य को बीमारू राज्य बना दिया था. गुंडा राह और महीनों लगने वाले कर्फ्यू वाले राज्य बना दिया था. चयन में भेदभाव को कई बार न्यायालय ने रोका. डिप्टी उट बता रहे थे कि परीक्षा कोई और देता था सिलेक्शन कोई और देता था.

**सीएम योगी आदित्यनाथ ने सुनाया युवक की खुदकुशी का किस्सा**

सीएम योगी ने एक किस्सा सुनाते हुए कहा कि एक बार मेरे क्षेत्र में एक युवा ने आत्माहत्या कर ली. अधिकारियों ने आक्रोश का हवाला देकर ना जाने की सलाह दी. लेकिन मैं आत्माहत्या करने वाले एकलौते बेटे के परिजनों से मिला. वढ पुलिस की मेरिट में आने के बावजूद उसका सिलेक्शन नहीं हुआ. सिलेक्शन लेटर ना मिलने से उस युवा ने आत्महत्या की जानकारी मिली. जिसकी खुद की डिग्री फर्जी थी वो आयोग का चेयरमैन बन सिलेक्शन करता था. मेरे आने के बावजूद कोर्ट के स्टे के चलते भर्ती नहीं हो पा रही थी. मैंने न्यायालय की मंशा के अनुरूप निष्पक्ष भर्ती की. मैंने 2 लाख 20 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती की. पहले छोटी सोच थी इसलिए काम भी छोटे करते थे.

# सीएम योगी के निर्देश पर एयरफोर्स ने संभाली कमान, पानी की टंकी पर फंसे बच्चों को किया गया एयरलिफ्ट

**उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी पर फंसे बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भारतीय वायुसेना ने एयरलिफ्ट कर सुरक्षित निकाल**

**सीएम योगी के निर्देश पर सिद्धार्थनगर में पानी की टंकी से बच्चों का सफल एयरलिफ्ट रेस्क्यू**

लखनऊ।(जीएनएस)। उत्तर प्रदेश में सिद्धार्थनगर के नवगढ़ तहसील क्षेत्र के ग्राम बेलसड़ तप्पा थरौली में पानी की टंकी पर हुए हादसे के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन ने युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। रील बनाने के लिए टंकी पर चढ़े पांच बच्चों में से सीढ़ी टूटने के कारण तीन नीचे गिर गए, जिनमें एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि दो घायल हो गए। वहीं दो बच्चे टंकी के ऊपर ही फंस गए थे।

**सीएम के निर्देश पर अलर्ट हुआ प्रशासन**

घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल संज्ञान लिया और अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि फंसे बच्चों को सुरक्षित निकालने में कोई ढिलाई न बरती जाए। सीएम योगी के निर्देश के बाद जिला प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने हालात की गंभीरता को देखते हुए राहत आयुक्त से हेलीकॉप्टर की मांग की, जिसे तत्काल स्वीकृति मिल गई।

**चुनौतीपूर्ण हालात में चला रेस्क्यू**

सीएम योगी के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में कई बाधाएं सामने आईं। टंकी के आसपास जलभराव के कारण जमीन दलदली हो गई थी, जिससे भारी मशीनरी जैसे जेसीबी और क्रेन का उपयोग संभव नहीं हो सका। टंकी की ऊंचाई और टूटी सीढ़ी के कारण ऊपर पहुंचना जोखिम भरा था, बावजूद इसके प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमों ने लगातार प्रयास जारी रखा।

**एयरफोर्स की मदद से बच्चों को उतारा गया**

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर भारतीय वायुसेना से सहायता ली गई। गोरखपुर से हेलीकॉप्टर मंगवाया गया, जिसने रविवार सुबह मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन को अंजाम दिया। एयरफोर्स की टीम ने अत्यंत सावधानी से दोनों फंसे बच्चों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित नीचे उतार लिया।

# मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन अब नौ मई को, व्यवस्था बनाने में जुटा सरकारी अमला

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बिजनौर के अफजलगढ़ स्थित आलमपुर गांवड़ी में प्रस्तावित दौरा अब 9 मई को होगा, जो पहले 2 मई को स्थगित हो गया था।**

**धामपुर में अधिकारियों के साथ बैठक करतीं डीएम जसजीत कौर साथ में एसपी अभिषेक झा। सौ. सूचना विभाग**

बिजनौर। (जीएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रस्तावित आगमन कार्यक्रम अब नौ मई को है। पहले उन्हें दो मई को जनपद में आना था, लेकिन किसी कारण से कार्यक्रम स्थगित हो गया। मुख्यमंत्री अफजलगढ़ के ग्राम आलमपुर गांवड़ी आएंगे। डीएम ने शनिवार को धामपुर में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम की तैयारियों को समय से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। एसपी ने भी सुरक्षा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए निर्देश दिए।

विकास खंड अफजलगढ़ के ग्राम आलमपुर गांवड़ी में मुख्यमंत्री के आगमन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। पहले दो मई को उन्हें आना था और

जिला प्रशासन ने तैयारियां भी शुरू कर दी थीं। कार्यक्रम स्थल पर जर्मन हैंगर भी पहुंच गया था, लेकिन बाद में कार्यक्रम स्थगित कर दिया गया। अब नौ मई को मुख्यमंत्री का फिर से आगमन कार्यक्रम प्रस्तावित हुआ है। ऐसे में तैयारियों को लेकर डीएम जसजीत कौर ने धामपुर तहसील के सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर समय से तैयारी पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया।

डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री के भ्रमण कार्यक्रम से पूर्व में ही विभागीय अधिकारियों को उनके दायित्व सौंप दिए गए हैं और कार्यक्रम को सुव्यवस्थित आऔर सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए नोडल अधिकारियों को भी नामित कर दिया गया है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने दायित्वों का पूर्ण सजगता, गंभीरता और तत्परता के साथ शत प्रतिशत निर्वहन करना सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हेलीकाप्टर लेंडिंग, सभास्थल, प्रेस गैलरी, सैफ हाऊस, पार्किंग आदि स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था साहित सभी व्यवस्थाओं को पूर्ण मानक के आधार पर तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री द्वारा विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र, स्वीकृत पत्र आदि उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्हें स्टेज पर लाने और जिन योजनाओं एवं परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जाएगा, उनकी सूची विभागवार एवं पूर्ण विवरण के साथ तैयार करने के लिए भी निर्देशित किया। इस दौरान एसपी अभिषेक झा, सीडीओ रणविजय सिंह, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा आदि मौजूद रहे।

# योगी कैबिनेट की बैठक आज, नई तबादला नीति समेत दो दर्जन प्रस्ताव, 31 मई तक कर्मचारियों-अधिकारियों के तबादले

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को दोपहर तीन बजे उनके आवास पांच कालिदास मार्ग पर कैबिनेट की बैठक होगी। इसमें करीब दो दर्जन प्रस्ताव आ सकते हैं। अहम प्रस्तावों में वर्ष 2026-27 के लिए नई वार्षिक स्थानांतरण नीति है, जिसे कैबिनेट की बैठक में स्वीकृति मिल सकती है।

इसके तहत सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले 31 मई तक हर हाल में पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। पिछले वर्ष 15 जून तक तबादले किए गए थे।

नई नीति के अनुसार समूह 'क'और 'ख'के वे अधिकारी जो किसी एक जिले में तीन वर्ष और मंडल में सात वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हैं, उनका स्थानांतरण अनिवार्य रूप से किया जाएगा। वहीं, इन वर्गों में अधिकतम 20 प्रतिशत तक ही तबादले किए जा सकेंगे।

समूह 'ग'और 'घ'के कर्मचारियों के लिए यह सीमा 10 प्रतिशत तय की गई है, जिसे विशेष परिस्थितियों में 20 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकता है। इन

वर्गों में तबादले विभागाध्यक्ष और विभागीय मंत्री की अनुमति से होंगे।

नीति में यह भी स्पष्ट किया गया है कि समूह 'क'और 'ख'के अधिकारियों को उनके गृह जिले में तैनाती नहीं दी जाएगी। वहीं, आकांक्षी जिलों और विकासखंडों में सभी पदों को प्राथमिकता से भरा जाएगा और वहां तैनात कर्मियों को दो वर्ष बाद स्थानांतरित किया जाएगा।

सरकार ने पारदर्शिता बढ़ाने के लिए मेरिट आधारित आनलाइन ट्रांसफर सिस्टम लागू करने पर जोर दिया है। साथ ही, स्थानांतरित कर्मचारियों को एक सप्ताह के भीतर नई तैनाती पर कार्यभार ग्रहण करना अनिवार्य होगा, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इसके अलावा दिव्यांग कर्मचारियों, पति-पत्नी दोनों के सरकारी सेवा में होने और सेवानिवृत्ति के करीब पहुंच चुके कर्मचारियों के लिए विशेष प्रविधान भी किए गए हैं, ताकि उन्हें राहत मिल सके।

इसके अलावा एक अन्य प्रस्ताव के तहत प्रदेश के करीब नौ लाख राज्य कर्मियों की पदोन्नति प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए तय कटआफ डेट जुलाई के स्थान पर दिसंबर करने की तैयारी है। इससे अधिक कर्मचारियों को समय पर पदोन्नति का लाभ मिल सकेगा।

**हर जिले में तैनात होंगे सीएम फेलो, 60 हजार रुपये मानदेय**

प्रदेश सरकार अब प्रत्येक जिले में 'सीएम फेलो' नियुक्त करेगी। यह जिला स्तर पर विकास कार्यों, डाटा विश्लेषण और नीतियों के क्रियान्वयन की निगरानी में सहयोग करेंगे। फेलो को मासिक मानदेय के रूप में 60 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसमें 10 हजार रुपये मासिक आवास भत्ता शामिल है। सोमवार को कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति मिल सकती है।

चयन प्रक्रिया में अभ्यर्थियों की शैक्षणिक योग्यता, सामान्य ज्ञान, अर्थशास्त्र, सांख्यिकी और तकनीकी कौशल का मूल्यांकन किया जाएगा। साथ ही, तार्किक क्षमता, निर्णय क्षमता और समस्या समाधान कौशल को भी अहम आधार बनाया जाएगा।